भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1526

दिनांक 28.07.2021 को उत्तर देने के लिए

बांग्लादेश के माध्यम से पारगमन

1526. डॉ. राजदीप रायः

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केंद्र सरकार ने बांग्लादेश के माध्यम से पारगमन के मुद्दे को बांग्लादेश सरकार के साथ उठाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या केंद्र सरकार बांग्लादेश के माध्यम से स्वतंत्रता पूर्व रेल, सड़क और जल संपर्क को पुनर्बहाल करने की इच्छुक है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

(श्री वी. मुरलीधरन)

(क) से (ग) जी, हाँ। कनेक्टिविटी, भारत और बांग्लादेश के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। दोनों पक्षों ने 1965 से पहले के मार्गों को बहाल करके और नए मार्ग खोलकर कनेक्टिविटी बढ़ाने के कई प्रयास किए हैं। इसका ब्यौरा निम्न है:

(i) प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी और प्रधान मंत्री महामहिम शेख हसीना ने 09 मार्च, 2021 को त्रिपुरा में फेनी नदी पर मैत्री सेतु सड़क पुल का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया, जो त्रिपुरा को बांग्लादेश से जोड़ेगा।

(ii) 17 दिसंबर, 2020 को प्रधान मंत्री स्तर के वर्चुअल शिखर सम्मेलन में, दोनों पक्षों ने दोबारा शुरू किए चिलाहाटी-हल्दीबाड़ी रेल लिंक का उद्घाटन किया, जिससे असम तक कनेक्टिविटी का विस्तार होगा। 27 मार्च, 2021 को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी और प्रधान मंत्री महामहिम शेख हसीना ने चिलाहाटी-

हल्दीबाड़ी रेल लिंक से ढाका-न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका मार्ग पर यात्री ट्रेन सेवा 'मिताली एक्सप्रेस' का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया ।

(iii) दोनों पक्ष बांग्लादेश रेल के कुलौरा-शाहबाजपुर खंड को बहाल कर रहे हैं, जो असम को रेल संपर्क प्रदान करेगा।

(iv) भारत सरकार, अखौरा (बांग्लादेश) - अगरतला रेलवे लाइन का निर्माण कर रही है, जो पूर्वोत्तर राज्यों, विशेष रूप से त्रिपुरा को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।

(v) भारत से वस्तुओं को लाने-ले जाने के लिए चटोग्राम और मोंगला बंदरगाहों के उपयोग से संबंधित करार पर अक्टूबर 2019 में हस्ताक्षर किए गए थे। इस करार के तहत, चटोग्राम पोर्ट से त्रिपुरा के लिए भारतीय कार्गो के ट्रांसशिपमेंट का प्रायोगिक प्रचालन जुलाई 2020 में किया गया था।

(vi) अंतर्देशीय जलमार्ग व्यापार और पारगमन (पीआईडबल्यूटीटी) संबंधी प्रोतोकॉल के दूसरे परिशिष्ट पर मई 2020 में हस्ताक्षर किए गए थे, जिसके तहत दो और अंतर्देशीय जल मार्ग जोड़े गए हैं जो त्रिपुरा को राष्ट्रीय जलमार्ग से जोड़ेंगे। इस नए मार्ग पर सितंबर 2020 में प्रायोगिक प्रचालन किया गया था।

(vii) कोलकाता-ढाका और ढाका-अगरतला के बीच बस सेवाएं क्रमशः 1999 और 2001 से चल रही हैं।

***